राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोरी (2529) रेवाड़ी

रेवाड़ी जिले के खंड खोल के अंतर्गत गांव खोरी स्थित इस विद्यालय को सन 1954 में राजकीय उच्च विद्यालय का दर्जा मिला था तथा 1992 में यह अपग्रेड होकर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के रूप में स्थापित हुआ। यह क्षेत्र का सबसे पुराना विद्यालय है ,जिसमें वर्तमान विद्यार्थियों की 3 पीढ़ियों में शिक्षा ग्रहण की है।

विद्यालय का परिचय

विद्यालय का नाम: राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, (2529)

विद्यालय का पता: खोरी, रेवाड़ी, हरियाणा

विद्यालय की स्थिति: ग्रामीण

विद्यालय का प्रकार: सरकारी

ईमेल : gssskhori2529@gmail.com

प्रधानाचार्य का नाम : श्री टेकचंद

लिंग : पुरुष

लॉक डाउन (कोविड-19) के दौरान विद्यालय के समक्ष चुनौतियाँ

ज्यों ही कोरोना कहर के चलते स्कूल बंद हुए सबसे बड़ी चुनौती ऑनलाइन शिक्षा को लेकर थी, जिसमें विद्यार्थी तो दूर स्वयं शिक्षक भी पूरी तरह से वाकिफ एवं पारंगत नहीं थे। मैंने सबसे

पहले विद्यालय के उन सभी टीचर्स का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया , जो आईटी फ्रेंडली थे। फिर धीरे-धीरे इस दायरे को बढ़ाया तथा अधिकांश टीचर्स को ऑनलाइन टीचिंग के लिए तैयार किया जा सके।

अब दिक्कत थी विद्यार्थियों के व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ने की। बड़ी चुनौती दी थी कि आधे से ज्यादा विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। प्रारंभिक तौर पर जितने बच्चों के पास स्मार्टफोन थे, उन्हीं को कक्षा बार व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ कर पहले ऑनलाइन बातचीत तथा फिर धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी पढ़ाई प्रारंभ करवाई। इससे अन्य बच्चों में रुचि जगी तथा करीब 80 प्रतिशत के पास मोबाइल फोन उपलब्ध हो गए। एक ऑनलाइन बैठक में मैंने सभी टीचर्स से आग्रह किया कि उनके पास पुराने स्मार्टफोन घर पर बेकार पढ़े हो तो उन्हें संबंधित बच्चों तक पहुंचाएं। यह पक्ष भी बेहद कारगर रहा तथा कुछ मेधावी किंतु जरूरतमंद बच्चों को संबंधित फोन दिए गए। इस प्रकार धीरे-धीरे ऑनलाइन कक्षाएं पटरी पर आ गयी।

कोविड-19 के दौरान विद्यालयी कार्यो एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए नवाचार

कोविड-19 के दौरान हमारे विद्यालय परिवार की पूरी टीम अनेक नवाचारी कदम उठाएं। विद्यालय की विज्ञान संकाय के सभी टीचर्स ने अपने यूट्यूब चैनल प्रारंभ किए जिन पर संबंधित विषय का पाठ्यक्रम प्रतिदिन डाला जाता था। शनिवार को कोई पढ़ाई नहीं होती थी। हर शनिवार को अभिभावकों तथा विद्यार्थियों से कोविड- 19 चुनौतियों को लेकर

बातचीत की जाती थी उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का निवारण किया जाता था। इससे अभिभावक विद्यार्थी तथा टीचर्ज बेहद करीब आ गए।

हर सोमवार को साप्ताहिक विषय वार टेस्ट रखा जाता था जिसमें बच्चे वस्तुनिष्ठ प्रारूप को मोबाइल पर ही सबमिट कर देते थे। इस प्रारूप में टीचर्स तथा बच्चे दोनों ही निरंतर नए अनुभव साझा कर रहे थे तथा निरंतर कुछ नया सीख भी रहे थे यह सब इन विचारों पर आधारित था।

कोविड-19 के दौरान विद्यालयी कार्यो एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए SMC के सदस्यों, अभिभावकों एवं समाज का सहयोग

विद्यालय हर शनिवार को प्रारंभ से ही विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से ऑनलाइन संवाद करता था, जिसके चलते पीटीएम तथा स्कूल प्रबंधन समिति की गतिविधियों को व्यवहारिक बनाए रखने में मदद मिली। स्कूल प्रबंधन समिति के माध्यम से ही नई दाखिलों में मदद मिली। दिलचस्प पहलू यह रहा कि जिन विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से आमने सामने टीचर्स कभी मिले नहीं उनसे इंसाफ का एक बैठकों में विभिन्न मुद्दों पर खुलकर विमर्श होता था।

एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने एवं लॉक डाउन (कोविड-19)

के दौरान विद्यालय के समक्ष चुनौतियाँ का सामना करने के लिए विद्यालय की तैयारी

पिछले सत्र में कोरोना के चलते वर्चुअल संवाद के बावजूद शैक्षणिक माहौल पर बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। खासकर विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक तौर पर भारी कठिनाइयों से जूझना पड़ा। उनकी दिनचर्या ऑनलाइन टीचिंग के बावजूद नीरस हो चली थी। इन सभी पक्षों को ध्यान में रखकर विद्यालय परिवार ने शैक्षणिक सत्र २०२१-२०२२ के लिए अपना रोडमैप तैयार किया , जिसमें ऑनलाइन सांस्कृतिक , शैक्षणिक प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया।

उधर विभाग ने भी बार कला उत्सव , कानूनी साक्षरता आदि प्रतियोगिताओं को ऑनलाइन करवाने का निर्णय लिया। इन सब की विधियों का कुशल संयोजन एवं संचालन करके विद्यालय में इस सत्र में पुनः विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की गतिविधियों को प्रारंभ किया।

छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए SMC के सदस्यों, अभिभावकों एवं समाज के सहयोग को सुनिश्चित करने की योजना

इस सत्र में सबसे पहले स्कूल प्रबंधन समितियों को कोरोना जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में ऑनलाइन प्रारूप के महत्व के बारे में नए केवल समझाया अपितु उन्हें प्रशिक्षित किया ताकि पुनः ऐसी स्थिति होने पर वह ऑनलाइन विद्यालय से जुड़े रहें। इसी प्रकार पेटीएम के माध्यम से अभिभावकों को अभी भी दो गज की दूरी मास्क जरूरी, दवाई भी-कड़ाई

भी जैसे पहलू को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित किया। इतना ही नहीं ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण के लिए भी विद्यार्थियों अभिभावकों तथा स्कूल प्रबंधन समिति के माध्यम से माहौल बनाया गया।

अन्य सम्बंधित एवं आवश्यक सूचना

विद्यालय के ऑनलाइन प्रारूप की रचनात्मकता का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि कोरोना का हाल में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की गई कला उत्सव तथा सांस्कृतिक उत्सव जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यालय खंड तथा जिला स्तर पर ओवर ऑल विजेता रहा। इसी प्रकार ऑनलाइन टीचिंग गुणात्मक दृष्टि से बेहतरीन रहने की वजह से विद्यालय ही छात्र संख्या खंड स्तर पर सर्वाधिक रही।

ई-लर्निंग के लिए आनलाइन बैठक हुई

जासं, रेवाड़ी : गांव खोरी स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 21 जून से प्रारंभ हो रहे नए ई-लर्निंग प्रारूप के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से साझा करने के लिए आनलाइन बैठक आयोजत की गई। इसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य टेकचंद ने की। बैठक में जहां स्टाफ सचिव मुकेश कुमार सैनी ने 21 जून से आनलाइन शिक्षण के नए प्रारूप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वही कंप्यूटर विज्ञान के प्राध्यापक पवन कुमार ने अवसर-एप, गूगल मीट, साप्ताहिक क्विज आदि से जुड़ी रोचक जानकारियां दी। विद्यालय के दाखिला प्रभारी प्राध्यापक कैलाश चंद्र, निशुल्क छात्रा वाहिनी के प्रभारी अजीत सिंह, मौलिक मुख्याध्यापक सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की संबंधित जिज्ञासाओं का निवारण किया। एबीआरसी निर्मला देवी ने 21 जून से एक माह तक चलने वाली योग प्रश्नोत्तरी की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य टेकचंद ने आनलाइन शिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रभावी बनाने के लिए आपसी तालमेल पर बल दिया।

एससीईआरटी की पापुलेशन एजुकेशन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित करवाई गई एक प्रतियोगिता में खोरी स्कूल हरियाणा भर में विजेता रहा जिसमें ऑनलाइन प्रारूप में विद्यार्थियों तथा उनके माता-पिता को घर में योग के महत्व पर नाटिका प्रस्तुत करनी थी। सप्ताहिक बैठक में अभिभावकों को इस बारे में बताया गया तो दसवीं कक्षा की छात्रा तमन्ना, उसकी नवी कक्षा की बहन सपना कथा छठी कक्षा की कोमल ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर संबंधित नाटिका तैयार की फोन से रिकॉर्ड करके एससीआरटी भेजी , कुल मिलाकर ऐसी परिस्थितियों में विद्यार्थियों

अभिभावकों तथा टीचर्स को ज्यादा से ज्यादा वर्चुअल संवाद से संबंधित चुनौतियों व समस्याओं से पार पाई जा सकती है।